





1001



1002



1003



1004



Saroj

सत्य -सत्यमेवैश्वरो लोके सत्ये धर्मः सदाश्रितः ।
 सत्यमूलनि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ॥
 तुम सृष्टि, पालन और संहार की शक्ति भूता,
 सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो ।
 नारायणि! तुम्हे नमस्कार है ।

1001

1002

1003

1004